आदमी को पुरुषार्थ से सिद्धि मिलती है : युवाचार्य महाश्रमण

लाडनूं, क्म नव बर।

सफलता पाने के लिए अनेक लोग मंदिर जाते हैं, जप करते है, €योंकि हर व्यक्ति के मन में सफलता की कामना होती है। व्यक्ति अपने कार्यों में सफलता पाने के लिए देवी-देवताओं की पूजा करता हैं, किंतु देवता उसकी पूजा करते हैं जिसका मन धर्म में रमा रहता है, जो अनासक्त चिŠा वाला व्यक्ति होता है।

उक्त विचार युवाचार्य महाश्रमण ने सोमवार को जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा में उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि आदमी को सिद्धि कर्म के द्वारा प्राप्त हो सकती है जो पुरुषार्थी होता है उसे लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। जो व्यक्ति केवल भाग्य के भरोसे रहता है भाग्य को ही सबकुछ मानकर चलता है वह व्यक्ति सफलता को प्राप्त नहीं कर सकता।

उन्होंने यह भी कहा कि आदमी काम करने से छोटा नहीं होता अवसर आने पर छोटा काम भी कर लेना चाहिए। अहंकार, आलस्य मनुष्य जीवन के लिए बाधक है। आलस्य पुरुषार्थ में भी बाधा पैदा करता है। दूसरे व्यक्ति के सामने अहंकार नहीं करना चाहिए, बड़प्पन दिखाने का प्रयत्न नहीं करना चाहिए व्यक्ति दिखावे से नहीं गुणों से बड़ा होता है इसलिए हर व्यक्ति को पुरुषार्थ के साथ अपने गुणों का भी विकास करना चाहिए।

मंगल भावना समारोह आज

लाडनूं क्म नव बर।

जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा में आज (क्त्र नव बर) प्रातः -.फ बजे मंगल भावना समारोह का आयोजन किया जाएगा जिसमें प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष शांतिलाल बरमेचा, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष सुरेन्द्र चौरड़िया, स्थानीय तेरापंथ सभा के अध्यक्ष कमल बैद , तेरापंथ महिला मण्डल की अध्यक्ष माणकदेवी बरमेचा अपनी मंगल भावना व्यक्त करेंगे इसके अलावा तेरापंथ युवक परिषद के मंत्री राजेश बोहरा, स्थानीय तेरापंथ कन्या मण्डल सामुहिक गीत द्वारा मंगल भावना व्यक्त करेंगे।

आचार्य महाप्रज्ञ का मंगल विहार क्त से

लाडनूं, क्म नव बर।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ, युवाचार्यश्री महाश्रमण, साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा सहित अपनी धवल वाहिनी के साथ जैन विश्व भारती से प्रातः ख्त्र.ं बजे विहार करेंगे। स्थानी तेरापंथ सभा के अध्यक्ष कमल बैद ने जानकारी देते हुए बताया कि आचार्यश्री महाप्रज्ञ जैन विश्व भारती के पहली पट्टी गेट के सामने राकेश कठोतिया के निवास स्थान पर एक घंटा विश्राम कर लगभग प्रातः त्त.क्भ् बजे भव्य जुलूस के साथ ऋषभ द्वार, कालीजी का चौक, शिव मंदिर, रेलवे स्टेशन होते हुए सुजानगढ पधारेंगे। सुजानगढ़ के गांधी चौक, रामपुरिया हवेली होते हुए सुजानगढ के तेरापंथ सभा भवन में विराजेंगे जहां दिनांक क्त से क– नव बर तक दो दिन का प्रवास होगा।

इसी तरह ख को प्रातः भंसाली कॉलेज, मध्यान्ह में छापर के कालू कल्याण केन्द्र जहां दो रात्रि प्रवास कर ख्ख को रणधीसर स्कूल, ख्फ व ख्ब को पड़िहारा, ख्भ् को लूणासर, मध्यान्ह ख्भ् से ख्त्र तक राजलदेसर, ख्त को प्रातः जोरावरपुरा स्कूल, ख्– को कीतासर, फ को बीघा गांव की स्कूल में, क दिस बर को डूंगरगढ़ कॉलेज, ख नव बर मध्यान्ह में डूंगरगढ़ के नवनिर्मित तेरापंथ भवन में मर्यादा महोत्सव के लिए मंगल प्रवेश करेंगे।